ग्राम गौरव संस्थान

सुक्कापुरा विरहैटी करौली राजस्थान

वित्तीय वर्ष 2024–25 वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

ग्राम गौरव संस्थान का वर्ष 2024–25 का वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन तैयार करते हुए हमे खुशी है की हम आत्मनिर्भर गांव की अवधारणा को उभारने का प्रयास कि ओर कदम बढा रहे है ।

संस्थान का सपना

"न्याय,समता एवं सौहार्द पूर्ण समाज की स्थापना हो, जिसमे प्राकृतिक संसाधन,जैविक विविधता एवं संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन हो , हर परिवार की आजीविका सुद्वढ हो, बच्चे महिला एवं अन्य पिछडे लोगो को विकास की धारा मे समान अवसर मिले, सरकार, नागरिक समाज और सामूदायिक संगठन मे जनतांत्रिक व्यवस्था कायम हो, एवं विकास के निकायो से जुडे" ग्राम गौरव संस्थान अपने सपने को पूरा करने के लिए संस्थागत् मूल्यो के अनुसार कार्य योजना की क्रियान्विति की है जो निम्नवत् है ।

1. सादा एंव सदभावना पूर्ण जीवन ।
2. सामूदायिक भागीदारी ।
3. संस्थागत जनतांत्रिक व्यवस्था ।
4. वित्तिय एवं संस्थागत पारदर्शिता ।
5. जवाबदेही प्रबंधन ।

6. धार्मिक जातिय एवं लैगिंग समानता ।

सपने को साकार करने के लिए संस्थान अपने मुल्यो पर कायम रहते हुए निर्धारित कार्यकमो के अनुसार चेतनात्मक व रचनात्मक कार्य सम्पादित करने की श्रृखंला को बढाते हुए वित्तीय वर्ष 2024–25 की कार्य प्रगति निम्नवत रही :–

ग्राम गौरव संस्थान के कार्यो को वृहद और सघन करने मे करौली जिले की 12 ग्राम पंचायतो के 155 गांव ढाणीयो मे सक्रिय रूप से ग्रामीण समूदाय की सहभागीता से ग्रामीण परिवारो की आजीविका सुद्धढ करने के प्रयासो मे चेतनात्मक व रचनात्मक कार्य की ओर अग्रसर है संस्थान ग्रामीण समूदाय की आजीविका चलाने वाले संसाधन कृर्षि व पशुपालन के संरक्षण व संर्वधन हेतू ग्रामीण समूदाय मे चेतना लाने के लिए जन जीवन के आधार (जल,जंगल,जमीन,जलवायू जैविक विविधता,जानवर ,जीवनशैली,) को लेकर ग्रामीणो के साथ जीवन संवाद कायम किया जिससे ग्रामीण समूदाय की भागीदारी समाहित हो सके संस्थान द्धारा अपने सपने को साकार करने के लिए निम्न कार्यकमो पर काम कर रही है ।

ग्राम गौरव संस्थान के कार्यकम –

1. प्राकृतिक सम्पदा ,जैविक विविधता का संरक्षण व संवर्धन ।
2. महिला सशक्तिकरण ।
3. गुणवत्तापूर्ण सतत कृषि ।
4. पशुधन विकास ।
5. समावेशी एवं समग्र शिक्षा ।
6. अति गरीब की आजीविका सुदृढ करना।
7. मानवीय एवं संस्थागत विकास ।

1. प्राकृतिक सम्पदा ,जैविक विविधता का संरक्षण व संवर्धन :–

उपरोक्त कार्यकम का मुख्य उददद्धेश्य जल, जंगल , जमीन ,जैविक विविधता का संरक्षण व संर्वधन करना , कृर्षि सिंचाई, पशुधन, जन के लिए जल आपूर्ती सुनिश्चित करना ग्राम विकास कार्यो मे जनतांत्रिक व्यवस्था कायम करना, मिटटी के कटाव को रोकना एंव जमीन की नमी को बढाने के लिए रचनात्मक कार्यो की तैयारी मे कार्यक्षेत्र के गॉवों में ग्रामीणों के साथ नुक्कड व ग्राम संगठनों की बैठक करके संरचनाओं के निर्माण के स्थान का चयन, आकृति व उसमें होने वाले खर्च के प्रबन्धन में समाज व परियोजना के अनुसार होने वाले खर्च का तय करना, कार्य का लेखा जोखा की पारदर्शिता, कार्य की देखरेख के लिये ग्राम विकास समिति को जिम्मेवारी व संरचना के निर्माण में लगने वाली सामग्री, मशीनरी का दर–भाव तय किया गया। वर्ष 2024–25 मे संस्थान ने वर्षभर मे जिन कार्यो का सम्पादन किया है जो निम्नवत है

1.1 ताल निर्माण :– संस्थान के कार्य क्षेत्र डांग मे ताल निर्माण का कार्य ग्रामीण जन व पशुधन के पेयजल एंव कृर्षि सिंचाई के लिए किया जाता है । यह संरचना सामूहिक होती है संस्थान द्धारा वर्ष 2024–25 मे 17 तालो का निर्माण करना तय किया गया था जिसमे 04 ताल दानदात्री संस्थाओ के आर्थिक सहयोग से व 13 ताल सरकारी परियोजना मनरेगा के आर्थिक सहयोग से निर्माण करना तय किया गया ।

क,स	तय किया गया कार्य	किया गया कार्य	टिप्पणी
1	17	08	संस्थान द्वारा 13 तालो का निर्माण मनरेगा परियोजना से करना निश्चित किया गया था जिसमे 04 तालो का निर्माण हो गया है । व 9 तालो की फाईल ब्लॉक स्तर पर स्वकृति हेतू पहूँच गई है ।

उपरोक्त ताल निर्माण कार्य से 216 परिवारो की 1550 बीघा भूमी असिंचिंत से सिंचित होगी एंव 2065ग्रामीण जन व 3050 पशुधन को वर्ष भर पेयजल व खाद्वयान आपूर्ती एंव पशुचारा की सुनिश्चितता हुई है । नालो के छोर पर नमी बढने से लगभग 110 बीघा भूमी पर वन सम्पदा मे बढोतरी होगी जो सकारात्मक जलवायू परिवर्तन मे सहयोगी होगी ।

- फोटो – सांकरे वाला ताल आमरेकी

- फोटो – बडा ताल हटियाकी

1.2 पोखर निर्माण :– संस्थान के कार्य क्षेत्र के गांवो मे ग्रामीणो की कृर्षि सिंचाई हेतू जल आपूर्ती , खाद्ययान आपूर्ती व पशुचारा एंव जैव विविधता के संरक्षण हेतू संरचना का निर्माण किया जाता है । यह संरचना नाले के शुरूआती हिस्से मे बनाइ जाती है इस संरचना से औसतन 8 से 10 परिवार लाभान्वित होते है । संस्थान द्धारा वर्ष 2024 – 25 मे 04 पोखरो का निर्माण करना तय किया गया ।

क,स	तय किया गया कार्य	किया गया कार्य	टिप्पणी
1	04	07	संस्थान द्धारा वर्ष की शुरूआत मे परियोजना तय करने के बाद दिसम्बर 2024 मे अन्य दानदात्री संस्था का सहयोग मिलने से 03 पोखरो का निर्माण अधिक हो सका है ।

07 पोखरो के निर्माण से 56 परिवारो की लगभग 75 बीघा भूमी असिंचित से सिंचित होगी एंव 336 ग्रामीण जन व लगभग 370 पशुओ को वर्षभर खाद्ययान आपूर्ती एंव पशुचारा की सुनिश्चितता होगी नालो के छोर पर नमी बढने से लगभग 75 बीघा भूमी पर वन सम्पदा मे बढोतरी होगी जो सकारात्मक जलवायू परिवर्तन मे सहयोगी होगी ।

- फोटो – भकूला वाली पोखर भीमपुरा

1.3 कुण्डा निर्माण :– संस्थान द्धारा किये जा रहे कार्य डांग क्षेत्र मे है डांग क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थतिया के अनूरूप पोखर व तालो मे पूर्ण रूपेण पानी नही रूकता इस सीपेज पानी को संरचना के नीचे जमीन मे एक गडडा बनाकर सहेजा जाता है जिसको सिंचाई के काम लिया जाता है स्थानिय स्तर पर इसको कुण्डा के नाम से जानते है । वर्ष 2024–25 मे संस्थान ने 04 कुण्डा निर्माण का लक्ष्य रखा है ।

क,स	तय किया गया कार्य	किया गया कार्य	टिप्पणी
1	04	04	

उपरोक्त 04 कुण्डो के निर्माण से 12 परिवारो की लगभग 23 बीघा भूमी असिंचित से सिंचित हुई है । एंव सीपेज पानी से अधिक मोसचर होने के कारण जमीन मे किसान फसल नही ले पाता था कुण्डा निर्माण से 12 परिवारो की लगभग 13 बीघा भूमी मे फसल किसान लेने लगा है ।

- खर्रा का कुण्डा रायवेली

1.4 :– पैगारा निर्माणः– संस्थान के कार्य क्षेत्र के ग्रामीणो की कृर्षि भूमी अधिकतर वर्षाती नालो मे होती है । वर्षात के पानी बहाव के साथ कृर्षि भूमी की मिटटी बहकर चली जाती है । एंव नालो मे एक छत पत्थर निकल आता है इस मिटटी के कटाव को रोकने के लिए नाले की समांन्नतर लम्बाई के अनुसार पत्थर व सीमेन्ट की दिवार लगाई जाती है । स्थानिय स्तर पर इसको पैगारा के नाम से जाना जाता है संस्थान द्वारा वर्ष 2024–25 मे 11 पैगारो का निर्माण करने का लक्ष्य रखा है ।

क,स	तय किया गया कार्य	किया गया कार्य	टिप्पणी
1	11	12	संस्थान की परियोजना तय होने के बाद दिसम्बर 2024 मे अन्य दानदात्री संस्था के सहयोग मिलने से एक पैगारा का निर्माण ज्यादा हुआ ।

उपरोक्त 12 पैगाराओ के निर्माण से 20 ग्रामीण परिवारो की 32 बीघा भूमी की मिटटी का कटाव रूकेगा जिससे द्विफसलीय जमीन तैयार होगी । ग्रामीण परिवारो को खाद्वयान आपूर्ती, पशुचारा के साथ लगभग 17 बीघा भूमी मे नमी रहने से वन सम्पदा तैयार होगी ।

- चेंची वाला पैगारा अलवतकी

1.5 संस्थान द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 मे 24 तालो को मनरेगा परियोजना से जुडवाने एंव पूर्व मे 16 पैगाराओ की फाईल जिला स्तर पर स्वकृति हेतू पहॅूची उनके स्वकृति हेतू प्रयास किये जाने का लक्ष्य रखा जिसमे संस्थान द्वारा 05 ग्राम पंचायतो मे 25 तालो का ग्राम संगठन से प्रार्थना पत्र लेकर ग्राम पंचायत की कार्य योजना मे जुडवाने का कार्य किया । कुर्षि विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्र मे कुण्डा निर्माण की योजना का लाभ उठाते हुए संस्थान के प्रयासो से 04 कुण्डाओ की फाईल ग्राम स्तर से लकर कृषि विभाग जिला स्तर पर निर्माण स्वकृति के लिए प्रयास किये गये एंव कार्य क्षेत्र के 04 गांवो मे 04 तालो का निर्माण ग्राम संगठन की पहल से सम्भव हुआ ।

1.6 संस्थान द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 मे होने वाले वर्षाजल एंव मृदा संरक्षण के कार्यो वाले 32 गांव ढाणीयो मे ग्राम विकास समितियो की बैठक कर संरचनाओ की जगह,अनुमानित बजट, कार्य की कियान्विति, दर भाव एंव कार्य पूर्ण होने पर संरचना को हितग्राहीयो को सूपूर्द करने हेतू ग्राम विकास समितियो की बैठक की गई ।

क,स	गांव	कुल बैठक	समिति सदस्यो की संख्या
1	32	64	960

1.7 ग्राम विकास समिति प्रशिक्षण :– संस्थान अपने मुल्यो को ध्यान मे रखते हुए कार्यो मे सामूदायिक भागीदारी जनतांत्रिक व्यवस्था व जबाबदेही प्रबंधन के अनूरूप गांव मे ग्राम विकास समिति बनाकर उनके माध्यम से कार्य को सम्पादित करती है इन समितियो की कार्य कौशलता बढाने हेतू संस्थान द्वारा वर्ष 2024–25 मे 09 गावो की ग्राम विकास समितियो के 02 प्रशिक्षण आयोजित करने का लक्ष्य रखा ।

क,स	तय किया गया कार्य	किया गया कार्य	टिप्पणी
1	2	2	

1.8 संस्थान द्वारा अपने मुल्यो को उभारते हुए समुदाय के मानस पटल पर कार्य की पारदर्शिता एंव उदद्धेश्यो को स्थापित करने हेतू संस्थान के कार्य क्षेत्र के गांवो मे चौराहो अथाई के आस पास या सामुदायिक जगह पर उस गांव मे पिछले वर्षो मे संस्थान के सहयोग से हुऐ संरचनाओ की लागत उससे होने वाले लाभ को दर्शाते हुए 10 गावो मे 10 बोर्ड लगाये है । जिससे संस्थान के मूल उदद्धेश्य एंव मुल्यो को उभारते हुऐ समुदाय मे कार्य के प्रति श्रद्धा व सर्मपण भाव पैदा हो ।

- फोटो – ग्राम विकास समिति प्रशिक्षण

उपरोक्त ग्राम विकास समिति प्रशिक्षण मे 290 समिति सदस्यो की भागीदारी रही समिति प्रशिक्षण से संरचनाओ के जगह चिन्हीकरण व संरचना निर्माण के दौरान पाल की लम्बाई चौडाई कितनी हो एंव पक्के कार्य मे बजरी सीमेंट का औसत व पत्थरो के रखने मे तकनीकी कौश्लता बढने से समिति सदस्यो का सहयोग सराहनीय रहा ।

1.9 वृक्षारोपण व जैविक विविधता का संरक्षण :– संस्थान का कार्य क्षेत्र डांग मे होने के कारण संस्थान द्वारा कृर्षि सिंचाई के लिए वर्षा जल को सहजने पशुधन व जन की पेयजल आपूर्ती हेतू कई सैकडो ताल पोखर पैगारा का निर्माण समूदाय की सहभागीता से किया है । इन संरचनाओ के आगौर क्षेत्र मे स्थानीय पेडो को संरक्षित करने व गांव की पौराणिक विधियो देव वनी, कांकड वनी, रक्त वनी का संरक्षण व संर्वधन करने हेतू संस्थान द्वारा वर्ष

2024–25 मे 10 देव वनीयो सहित 100 बीघा भूमी पर वन सम्पदा का संरक्षण व संर्वधन करने का लक्ष्य रखा ।

क,स	तय किया गया कार्य	किया गया कार्य	टिप्पणी
1	10 देव वनी	15 देव वनीयो का चयन व संरक्षण संर्वधन	15 गांवो मे 15 देव वनीयो का चयन किया गया जिसमे 556 पोधा रोपण किया ।

उपरोक्त 15 देववनीयो की 78 बीघा भूमी पर वृक्षा रोपण का कार्य हुआ है । इसके देखरेख की जिम्मेदारी ग्राम संगठनो ने ली है । ग्राम संगठनो की बैठक मे देव वनीयो के संरक्षण व संर्वधन हेतू पेड नही काटने, देववनी मे पशु नही चराने, समय समय पर पानी डालने के निती नियम रजिस्टर मे दर्ज किये गये परिणामस्वरूप 78 बीघा भूमी मे वन सम्पदा पनपेगी ।

- ग्राम डोयलापुरा कारिस बाबा देव वनी पर पौधा रोपण

2. गुणवत्तापूर्ण एवं सतत कृषिः–

संस्थान द्वारा गुणवत्तापूर्ण एंव सतत कृर्षि के लिए धान और गेहूँ की फसल मे बढते हुए युरिया और किटनाशक दवाओ के उपयोग को कम करने व कृर्षि सिंचाई मे उचित जल प्रबंधन हेतू सौलर वॉटर पम्प व फव्वारा पाईप के उपयोग लेने एंव कार्य क्षेत्र के ग्रामीणो को घरेलू उपयोग हेतू बाडी लगवाने जैसी विधाओ को उभारकर कृर्षि को स्वस्थ्य जीवन देने वाली वनाने के लिए संस्थान ने वर्ष 2024–25 मे 750 किसानो के साथ काम करने का लक्ष्य रखा जो किया गया कार्य निम्नवत है ।

क,स	गतिविधि	तय किया गया कार्य	किया गया कार्य
1	किसान समिति बनाना	09 किसान समिति	09किसान समितियो का गठन किया गया । चौबेकी,अलवतकी, मानिकपुरा,बामूदा, रायवेली गजसिंहपुरा,राहिर,बरकी ,आमरेकी
2	उचित जल प्रबंधन	17 किसानो को फव्वारा पाईप व सोलर वॉटर पम्प हेतू सरकारी विभाग मे फाईल जमा करवाना	18किसानो का फव्वारा पाईप फाईल जमाकरवाकर सरकार से दिलवाई व व 13किसानो का सोलर वॉटर पम्प हेतू सरकारी विभाग से व 1 सौलर वॉटर पम्प संस्थान द्वारा लगवाया गया ।
3	बाडी लगवाना	20 किसानो का चयन व नर्सरी तैयार करवाना	20 किसानो को बाडी लगबाई गई । रबी व खरीफ दोनो सीजन के लिए सब्जी का बीज दिया व सतत देखभाल की ।
4	पारम्परिक पद्धति से खेती करने मे वैज्ञानिक पद्धति का समावेश	750 किसानो के साथ	50 किसानो को संरसो व 110 किसानो को गेहू का बीज दिया जिससे वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने का समावेश किया गया । 370 किसानो को नीम खली,700 किसानो को ट्राईकोडोमा, 700 किसानो को पी एच पी कल्चर खाद वितरण किया गया ।
5	पोषण वाटिका	400 किसान	पोषण वाटिका हेतू 400 किसानो को बाडी तैयार करवाई । रबी सीजन मे 400 किसानो को बाडी का बीज दिया ।
6	जैविक खाद तैयार करवाना	135किसान	135 किसानो खाद डालने हेतू 10×15×1.5 के गडडे तैयार करवाये । खाद डालना शुरू कर दिया है ।
7	किसान पाठशाला	03 किसान	तीन किसानो को जैविक खाद से संरसो व गेहू की फसल के लिए बीज दिये गये समग्र खेती से अन्य किसान सीख सके । 02 किसानो को ड्रीप वास्ते टंकी व तीन किसानो को अमृत घोल वास्ते ड्रम उपलब्ध करवाये ।
8	उच्च मुल्य वाली फसल	20 किसान	20 किसानो को उच्च मुल्य वाली फसल लेने हेतू कौंच का बीज दिया गया व रबी सीजन मे अजवाइन का बीज दिया गया ।
9	क्षमता वर्धन प्रशिक्षण	750किसान	750 किसानो को फसल का गुणवत्तापूर्ण उत्पादन बढाने हेतू सरकारी कृषि अधिकारीयो व गैर सरकारी कृषि सम्बंधित जानकारी रखने वाले लोगो के द्वारा क्षमता वर्धन किया गया । 750 किसानो के साथ रबी व खरीफ की फसल हेतू 20 बैठक करके फसल सम्बधित संवाद स्थापित किया ।

10	किसान उत्पादन संघ का गठन	किसानो की सुची व उत्पादन का सर्वे 1000 किसान	

उपरोक्त कार्य मे संस्थान द्वारा 750 किसानो को कृर्षि सम्बंधित क्षमता वर्धन प्रशिक्षण रखा गया जिससे कार्य क्षेत्र के गांवो मे 135 किसानो ने देशी खाद को गडडा मे डालकर सडाने का काम शुरू किया जिससे युरिया का उपयोग कम होगा व कार्य क्षेत्र के गांवो मे किसानो के बाडी लगाने से लगभग 750 परिवारो को स्थानीय स्तर पर ताजा सब्जी मिलना शुरू हुआ है जिससे घरेलू नगद खर्च मे कमी आई है । कार्य क्षेत्र के गांवो मे 14 सौलर वॉटर पम्प से 125 बीघा भूमी मे कृर्षि डीजल मुक्त सिंचाई से होगी एंव 3588000रू की सब्सिडी सरकार से किसानो को मिली एंव 1507000रू राशी जनसहयोग 844000रू संस्थान का सहयोग रहा । एंव 18 किसान समूहो द्वारा सरकार से फव्वारा पाईप लिये गये है । जिससे 450000रू की सब्सिडी सरकार से मिली है । एंव 36 बीघा भूमी पर अधिक सिंचाई होने लगी है । इसके साथ 03 किसानो को उच्च मुल्य वाली फसल लगाने से लगभग प्रति बीघा 3000रू की अधिक आमदनी हुई है एंव किसानो के द्वारा युरिया व किटनाशक दवाओ के उपयोग से नकारात्मक प्रभाव आता है इसको लेकर जागृति आई है परिणामस्वरूप कार्य क्षेत्र के गांवो मे 450 किसानो ने नीम खली व अमृत घोल जैसी विधाओ से खेती करना शुरू किया है ।

" खुशहाली की कहानी सिरमौहर की जुबानी "

मै, सिरमौहर गुर्जर पुत्र श्री जगमोहन गुर्जर निवासी गजसिंहपुरा ग्राम पंचायत राहिर मण्डरायल करौली का रहने वाला हूँ । मेरी उम्र लगभग 50 वर्ष है, मैने मेरे जीवन मे कई बदलाव देखे है बाल्य अवस्था मे वर्षात का औसत वर्षने के दिन 80 से 90 रहते थे पशुओ को खुले जंगल से जनवरी माह तक हरा चारा मिलता था एंव कृर्षि मे धान की फसल होती थी जब मे 6 –7 साल का रहा तो हमारे बुजूर्ग डांग के लिए कहते कि यह डांग तो दूध भात की डांग है, इसको छोटी वृज के नाम से लोग सम्बोंधित करते फिर बदलाव का दौर शुरू हुआ वर्षात के दिन कम हुऐ एंव पशुधन को चारा कम मिलने लगा । इसी के साथ खनन माफियाओ का प्रभाव होना शुरू हुआ करौली एंव जयपुर जैसे शहरो मे बैठे हुऐ रसूकदार लोगो ने हमारे क्षेत्र मे खान एरिया आंवटित करवाये । खनन से होने वाले लाभ का अधिकतर हिस्सा खनन ठेकेदारो के जेब मे जाता हम मूल स्थानिय लोगो को कुछ मजदुरी के साथ सिलोकोसिस जैसी गंभीर बिमारीया हमारे हिस्से मे आई पिछले ढाई दशक से ग्राम गौरव संस्थान ने डांग क्षेत्र को अपनी कर्मस्थली बनाकर कार्य शुरू किया संस्थान द्वारा हमारे गांव मे एक बडा ताल व कई सारी पोखर व पैगाराओ का निर्माण हम ग्रामवासीयो के सहयोग से किया । परिणामस्वरूप हमारी उजड बंजड जमीन द्विफसलीय तैयार हुई । ताल पोखरो के पानी से कृर्षि होने लगी एंव पशुओ को वर्ष भर का चारा एंव हमारी खाद्ययान आपूर्ती सुनिश्चित हुई । संस्थान कार्य से पहले हमको प्शुओ के साथ मार्च से जून तक पलायन करना पडता था । खाने के लिए अनाज खरीदना पडता था एंव हमारी रसोई मे सब्जी हफतो तक नही होती थी संस्थान के मार्गदर्शन से हमने खेतो मे धान और गेहू के साथ इस बर्ष एक बीघा जमीन मे बाडी लगाई है जिससे हमको हमारे घरेलू उपयोग की सब्जी के अलावा 20 घरो मे पिछले 120 दिनो से सब्जी की आपूर्ती हो रही है । सब्जी के बदले हम अनाज लेते है । मेरे द्वारा 8 क्विंटल अनाज सब्जी बेचकर मिला है । इसी के साथ फलदार पौधे पपीता नीबु करौजा लगाये है जिससे हमको फल भी प्राप्त होने लगे है । आज हम सब्जी एंव फल हमारे घरो की लगाई हुई खा रहे है । सिरमौहर जी अपनी बात को रखते हुए कहते है अपनी भाषा मे " भगवान संस्था वालो को यहाते गांगाजी तक बढाये"

2023/12/12 09:15

जल आर्थिक क्षेत्र
आजीविका, करौली
खरीफ फसलों की उन्नत कृषि पद्धति
दिनांक:
स्थान:
कार्यकारी संस्थान : ग्राम गौरव संस्थान सुक्कापुरा (विरहेटी)
सहयोग: धर्मपाल सत्यपाल लिमिटेड, नई दिल्ली

जल आर्थिक क्षेत्र
आजीविका, करौली
बाड़ी कार्यक्रम
दिनांक:
स्थान:
सहयोग: धर्मपाल सत्यपाल लिमिटेड, नई दिल्ली

3. पशुधन विकास :–

ग्राम गौरव संस्थान डांग क्षेत्र के ग्रामीण परिवारो की आजिविका के संसाधन पशुधन के संरक्षण एवं संवर्धन कर पशुधन से लाभ ज्यादा मिले इसके लिए प्रयासरत है इस कार्य को कार्य क्षेत्र मे पशुओ का रखरखाव, पशुओ में मौसमी बिमारियो के टीकाकरण व अन्य बिमारियो के सामान्य ईलाज के लिए संस्थान द्वारा चेतनात्मक एवं रचनात्मक कार्य किये जा रहे है । इस श्रृखला में वित्तीय वर्ष 2024–25 मे निम्न प्रयास रहे

कमांक	तय किया गया कार्य	किया गया कार्य
1	पशु स्वास्थ्य शिविर 09	09 शिविर लगाये गये ।
2	ग्राम गौरव मित्रो का प्रशिक्षण आयोजित करना 01	01
3	पशुओ के बिमारीयो की रोकथाम हेतू पशुमित्र प्रशिक्षण 01	34 युवाओ को 04 दिवसीय आवसीय प्रशिक्षण दिया गया ।
4	पशुपालको के पशुओ की सतत देखभाल व ईलाज किया गया	11 गांवो के 1037 पशुओ की सतत देखभाल की गई

उपरोक्त कार्य से 09 पशुस्वास्थ्य शिविरो मे 1310 पशुओ की बिमारीयो का ईलाज स्थानीय स्तर पर सम्भव हुआ जिससे पशुपालको को नगद होने वाले खर्च मे बचत हुई एंव 310 ग्राम गौरव मित्रो को पशु स्वास्थ्य सम्बंधित जानकारी देकर क्षमता वर्धन किया गया एंव 34 ग्राम गौरव मित्रो को जो पशु स्वास्थ्य मे रूची रखते हो उनको चिन्हित करके ग्राम गौरव कैम्पस मे पशु डॉक्टर द्वारा 04 दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण शिविर आवासीय किया गया । परिणामस्वरूप कार्य क्षेत्र के 12 ग्राम पंचायतो के 155 गांवो मे पशु मे होने वाली बिमारीयो का प्राथमिक उपचार स्थानीय स्तर पर सम्भव हुआ है ।

पशुधन स्वास्थ्य शिविर
दिनांक:...
गाँव-...

पशुधन कार्यक्रम
पशु मित्र क्षमतावर्धन शिविर

पशुधन कार्यक्रम
vivo T3x
SHYAM OCHADIYA Mar 28, 2025, 11:28

4. किशोरी एवं महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमः–

ग्राम गौरव संस्थान पिछले वर्षो से किशोरी एंव महिलाओ के सर्वागीण विकास की पहल किये हुये है, महिलाओ को गांव के होने वाले विकास कार्यो मे निर्णायक भूमी मे हिस्सेदारी लेने के लिए जागरूक करने व प्राकृतिक संसाधनो के संरक्षण मे भागीदारी सुनिश्चित करने एंव घर से लेकर चौपाल तक होने वाले निर्णयो मे महिलाओ की भागीदारी बढाने हेतू संस्थान 12 ग्राम पंचायतो के 155 गांव ढाणीयो मे ग्राम संगठन मे महिलाओ की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतू प्रयासरत है । संस्थान द्वारा वर्ष 2024–25 मे महिला सशक्तिकरण के लिए किये गये कार्य निम्नवत रहे ।

क्रंमाक	तय किया गया कार्य	किया गया कार्य	टिप्पणी
1	महिला संगठनो की बैठक करना 139 गांवो मे	155 गांवो मे बैठक की	चुकि 04 ग्राम पंचायतो मे संस्थान का रचनात्मक कार्य नही होने के कारण ढाणीयो की जानकारी मे कमी रही योजना की कियान्विति के समय 139 की जगह 155 गांव ढाणीयो की जानकारी निकल कर आई ।
2	ग्राम संगठन की बैठक मे महिलाओ की भागीदारी सुनिश्चित करना 139 गांवो मे	155 गांवो मे महिलओ की भागीदारी हुई	
3	किचन गार्डन हेतू परिवारो का चयन व किचन गार्डन तैयार करवाना 695 परिवारो को	936 परिवारो को चिन्हित कर किचन गार्डन तैयार करवाया गया ।	

उपरोक्त कार्य से 936 परिवारो को घरेलू उपयोग हेतू सब्जी मिलने लगी है जिससे परिवारो मे होने वाले नगद खर्च मे कमी आई है । 117 गांवो मे महिलाओ द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर सरकारी परियोजना जल जीवन मिशन से पेयजल आपूर्ती हेतू ग्राम पंचायत सरपंचो से सम्पर्क कर पेयजल आपूर्ती के प्रयास किये गये 155 गांव ढाणीयो के ग्राम संगठन मे होने वाली हर माह की बैठक मे महिलाओ की सक्रिय भागीदारी रहती है । ग्राम पंचायत दौलतपुरा के ग्राम दौलतपुरा मे महिलाओ ने ही अपना ग्राम संगठन बनाया है । एंव इस ग्राम संगठन के द्वारा ग्राम पंचायत सरपंच से मिलकर पेयजल आपूर्ती हेतू मांग रखी परिणामस्वरूप महिला संगठन द्वारा बताई गई जगह पर बोरवेल हुआ है । ग्राम पंचायत हरनगर के ग्राम आरामपुरा की महिलाओ द्वारा सम्बंधित जिला कलेक्टर श्री निलाभ सक्सेंना जी को जल जीवन मिशन से पेयजल आपूर्ती हेतू पत्र देकर प्रार्थना की गई । कलेक्टर महोदय के आदेश से ग्राम आरामपुरा मे जल जीवन मिशन चालू हुआ है ।

- महिला ग्राम संगठन श्यामपुर ,आरामपुरा,भौणा की बारी

- महिला ग्राम संगठन दौलतपुरा द्वारा स्थानीय विधायक हंसराज जी मीना को जल जीवन मिशन की क्रियान्विति हेतू ज्ञापन दिया गया ।

- पोषण बाटिका बीज वितरण करते हुए

- पोषण वाटिका के लिए दिए गए बीजो से बाडी

5. समावेशी एवं समग्र शिक्षा :–

संस्थान द्वारा एक गांव मे (धोधाकी)मे सदभावना केन्द्र का संचालन अप्रेल 2024 से किया जा रहा है जिसमे 35 बालक प्रतिदिन केन्द्र पर आकर कहानी , कविता एंव शिक्षा के प्रति रूची बढाने वाले खेल कुद सीखते है ।

राजीव गांधी फाउन्डेशन द्वारा चलाये जा रहे आशा सेन्टरो मे ग्राम गौरव संस्थान का निरतंर जुडाव व फाउन्डेशन द्वारा आयोजित सेन्टर संचालको के प्रशिक्षण ग्राम गौरव संस्थान परिसर विरहैटी सुक्कापुरा मे आयोजित किये जाते रहे है । निरतंर जुडाव के कारण फाउन्डेशन ने ग्राम गौरव संस्थान के साथ चर्चा कर यह निर्णय किया गया है की अक्टुम्बर 2024 से मार्च 2025 तक आशा सेन्टरो के संचालन की गतिविधियो मे ग्राम गौरव संस्थान से सुचारू सहयोग लिया जाये क्योकी ग्राम गौरव संस्थान प्रत्यक्ष रूप से विभिन्न गतिविधियो हेतू कार्यक्रम से जुड रहा है । और कार्यक्रम को बेहतर बनाने मे अहम भुमिका निभाई है । फाउन्डेशन से हुऐ संवाद के अनुसार ग्राम गौरव संस्थान 9 आशा सेन्टरो का संचालन अक्टुम्बर 2024 से कर रहा है । ग्राम गौरव संस्थान द्वारा 10 आशा सेन्टरो मे कुल 260 बालक बालिकाओ को शिक्षा की मुख्य धारा से जोडकर संचालन कर रहा है । बालक अशिक्षित नही रहे एंव पढाई लिखाई के अवसर उपलब्ध हो जिसके लिए चित्रकला, कविता लेखन, आर्ट एण्ड काप्ट, गीत संगीत , बाल स्टोरी लेखन, नाटय गतिविधियो के माध्यम से लिखने पढने मे दक्षता बढाने का कार्य कर रहा है ।

क,स	सेन्टरो की संख्या	कुल बालक बालिका संख्या
1	10	260

- संस्थान द्वारा राजीव गांधी फाउन्डेशन के सहयोग से डांग क्षेत्र के बालक बालिकाओ द्वारा कहानी लेखन का कार्य किया जिसमे डांग की शब्दावली, संस्कृति एंव जीवन शैली को दर्शाया गया इन कहानीयो का संकलन श्री गुलाब जी, श्री राजू पाशवान जी, श्री प्रतूल वशिष्ट जी की महत्वपूर्ण भुमिका रही । कहानीयो को संकलन कर किताब का मुर्त रूप दिया एंव 14नबम्वर 2024 को बाल दिवस के अवसर पर राजीव गांधी फाउन्डेशन कार्यलय जवाहर भवन नई दिल्ली मे कहानीयो की किताब का विमोचन श्री विजय महाजन जी एंव श्री हरीश चन्द महरा, निशचल जी, राधाकिशन जी , गुलाब जी, संदीप आन्नद जी , नामिक जी ,एंव उपस्थित सभी सदस्यो सहित डांग क्षेत्र से आये बालक एंव सेन्टर संचालको द्वारा किया गया ।
- ग्राम गौरव संस्थान द्वारा कार्य क्षेत्र मे चलाये जा रहे आशा सेन्टरो के बालको को झिझक दूर करने व कविता कहानी व नाटको के प्रति रूची बढाने एंव उनकी प्रतिभा को उभारने हेतू 03 दिवसीय करौली आशा बाल उत्सव कार्य कम किया गया इस कार्यकम मे डांग के बालको द्वारा संकलन की गई कहानीयो से एक (डांग की कहानीयो) किताब का संकलन राजीव गांधी फाउन्डेशन के सहयोग से किया गया जिसका विमोचन भी करौली आशा बाल उत्सव मे किया उपरोक्त तीन दिवसीय करौली बाल उत्सव मे 240 बालक बालिकाओ ने सहभागीता की राजीव गांधी फाउन्डेशन से आये श्री राजू पाश्वान जी, प्रतूल बशिष्ट जी एंव श्री गुलाब जी का सहयोग सराहनीय रहा । इस बाल उत्सव का परिणाम रहा की आशा सेन्टरो मे बालक ऐसे कार्यकम दोबारा करने हेतू मांग कर रहे है । एंव ऐसे कार्यकम मे प्रस्तूत की जाने वाली कहानी कविता व दोहा याद कर रहे है । इसी कम मे राजीव गाधी फाउन्डेशन के सहयोग से संचालित आशा सेन्टर संचालको व समन्वयको सहित ग्राम गौरव संस्थान के आशा सेन्टर संचालको का एक 45 सदस्यसीय दल ग्रामीण शिक्षा केन्द्र सवाईमाधोपुर मे गया

एंव वहा चल रहे स्थानीय स्तर के संसाधनो का प्राथमिक शिक्षा मे बालको को कैसे सहयोग किया जाये इसका जीवंत उदाहरण देखकर सीखा एंव उस सीख को हमारे आशा सेन्टर मे किस तरह लागू किया जाये इस विषय को लकर एक विचार गोष्टी ग्राम गौरव संस्थान कैम्पस मे आयोजित की गई जिसमे सहभागी सदस्यो द्धारा अपने अनुभवो का आदान प्रदान किया गया ।

- आशा सेन्टर अलवतकी

- आशा सेन्टर विरहैटी

- करौली बाल उत्सव फोटो

- पुस्तक विमोंचन फोटो

6. अति गरीब की आजीविका सुदृढ करना :–

संस्थान अपने कार्यक्षेत्र के उन सब परिवारो को अपने कार्य के श्रृखला से जोड़ रहा है जिन परिवारो के पास आजीविका चलाने के संसाधनो की कमी है भुमिहीन है असहाय है, विधवा महिलाए है, उनके साथ बैसाखी के रूप में खड़े होकर मदद करने की अपनी श्रृखला मे मानवीय कौशल का विकास करना एंव सरकारी योजनाओ के साथ जुडाव करने हेतू संस्थान वर्ष 2024–25 मे निम्नप्रयास रहे –

क्र	तय किया गया कार्य	किया गया कार्य
1	139 गांवो मे अतिगरीव परिवारो की जानकारी लेना	08 गांवो मे 89 परिवारो का चयन किया गया
2	278 ग्राम गौरव मित्रो का प्रशिक्षण	115 ग्राम गौरव मित्रो का प्रशिक्षण किया गया
3	चयनित परिवारो को सरकारी योजनाओ से जोडना	15 परिवारो को खाद्य सुरक्षा से जोडा गया

उपरोक्त कार्य से 115 ग्राम गौरव मित्रो के प्रशिक्षण मे सरकारी योजनाओ की जानकारी साझा की गई परिणामस्वरूप ग्राम गौरव मित्रो द्वारा 15 परिवारो को खाद्य सुरक्षा से जोडा गया ।

7. मानवीय एवं संस्थागत विकास :–

कार्य क्षेत्र के गांवो के युवाओ मे मानवीय मुल्यो का विकास कैसे हो एंव गांव के विकास के प्रति सोच पैदा करना एंव गांव के भू सांस्कृतिक परिस्थतियो के अनुरूप आजीविका चलाने वाले संसाधनो के प्रति युवाओ का रूझान बढाने व सरकारी परियोजना जल जीवन मिशन से 12 ग्राम पंचायतो के 155 गांव ढाणीयो मे 10437 परिवारो को सरकार व समूदाय के सहयोग से वर्षभर शुद्ध पेयजल आपूर्ती हेतू संस्थान द्वारा वर्ष 2024–25 मे किये गये प्रयास निम्नवत रहे ।

क,स	गतिविधि	तय किया गया कार्य	किया गया कार्य
1	ग्राम संगठन की बैठक	139 गावो मे	155 गावो मे ग्राम संगठन की बैठक कर ग्राम विकास समितियो का चयन किया गया एंव हर माह समिति की बैठक की जिससे कुल 1441 बैठक ग्राम विकास समितियो की गई ।
2	जीवन संवाद	139 गांवो	117 गावो मे जल जंगल जमीन जलवायू जीवजन्तू जीवनशैली व जैविक विविधता को लेकर जीवन संवाद किया गया
3	ग्राम संगठन की बैठक मे ग्रामीण सहभागी समीक्षा द्वारा समस्याओ का चिन्हिकरण	139 गावो मे	117 गावो मे पी आर ए करके समस्याओ का चिन्हिकरण किया गया
4	चिन्हित समस्याओ को पंचायत प्लान से जुडवाना	12 ग्राम पंचायत	11 ग्राम पंचायतो के 133 गांवो ढाणीयो का प्लान पंचायत मे सबमिट किया ।
5	जल जीवन मिशन परियोजना संचालन के लिए बनाई गई ग्राम जल एंव स्वच्छता समितियो का प्रशिक्षण	07 ग्राम पंचायतो के	06 ग्राम पंचायतो के 117 गावो के ग्राम जल एंव स्वच्छता समिति एंव ग्राम विकास समिति के 660 सदस्यो का प्रशिक्षण किया गया ।
6	कार्यकर्ताओ का प्रशिक्षण एंव मासिक बैठक	12	12 मासिक बैठक की गई एंव 9 दिवसीय 05 प्रशिक्षण 29 कार्यकर्ताओ का मनरेगा , पंचायत राज व्यवस्था, ग्रामीण सहभागी समीक्षा, जल गुणवत्ता जॉच,ग्राम संगठन, के सन्दर्भ मे प्रशिक्षण किया गया ।
7	ग्राम गौरव मित्रो का प्रशिक्षण	02	02 प्रशिक्षण ग्राम गौरव मित्रो का किया गया जिसमे 310 ग्राम गौरव मित्रो को जल जीवन मिशन परियोजना की जानकारी साझा की गई ।
8	एक्स आई एम युनिर्वसिटी भुवनेशवर से इन्टंर्स के लिए छात्र	08 बालक बालिकाओ का	संस्थान के कार्य की गुणवत्ता एंव कार्य करने की शैली को समझते हुए एक्स आई एम

	छात्राओ का आवासीय प्रशिक्षण		युनिर्वसिटी भुवनेशवर से 08 बालक बालिकाओ का 45 दिवसीय आवसीय रहकर संस्थान के कार्यो मे देखने समझने के अवसर से रूबरू होकर बालको का आवसीय प्रशिक्षण रहा ।

- संस्थान के प्रयासो से कार्य क्षेत्र के गांवो से दो ग्राम पंचायतो के चन्देलीपुरा, निभेरा ग्राम संगठनो के सदस्य कमशः 11.10.2024 व 9.12.2024 को स्थानीय विधायक श्री हंसराज बालौती से मिलकर डांग क्षेत्र मे जल जीवन मिशन से पेयजल आपूर्ती हेतू मिला विधायक महोदय ने कहा की जल जीवन मिशन के तहत पूर्व मे सरकार द्वारा स्वीकृत योजना को बदलकर जिन गांवो मे बिजली की उपलब्धता नही है। वहा सौर ऊर्जा के माध्यम से सौलर वॉटर पम्प लगाकर पेयजल आपूर्ती किया जाना तय किया है। जिसकी स्वीकृति हेतू राज सरकार को अनुशंषा भेजी है । अगले वित्तीय वर्ष मे सौलर वॉटर पम्प से पेयजल आपूर्ती होगी । संस्थान ने विधायक महोदय को अवगत कराया की हमारे द्वारा गांव मे ग्राम संगठन का गठन कर गांव की कार्य योजना तैयार कर पंचायत प्लान मे साझा की है । विधायक महोदय द्वारा इस कार्य योजना के अनुरूप ठेकेदारो को काम करने का निर्देश देने हेतू आशवस्त किया ।

दैनिक भास्कर करौली 11-10-2024

समस्याओं को लेकर विधायक को ज्ञापन

नारौली डांग । ग्राम गौरव संस्थान के प्रतिनिधिमण्डल ने संस्था की प्रतिनिधि सितारा बानो के नेतृत्व में विधायक हंसराज बालोती से मुलाकात कर डांग क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं बिजली, पानी, सड़क आदि की समस्याओं का निराकरण करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

संस्था प्रतिनिधि सितारा बानो ने बताया कि ग्राम गौरव संस्था ने डांग क्षेत्र में किए जा रहे पानी की उपलब्धता के प्रयास के तहत कार्यकर्ताओं और चंदेलीपुरा सरपंच के साझा प्रयास से ग्रामीणों के साथ विधायक हंसराज बालोती से मुलाकात कर चंदेलीपुरा ग्राम पंचायत में बाबू महाराज मंदिर में पौधों की सुरक्षा के लिए चारदीवारी, बोर मय मोटर लगवाने, वन विभाग के बिजली के रोके काम को चालू करवाने, लाइट, सड़क, पेयजल संबंधी समस्याओं से अवगत करवाया। जल जीवन मिशन के तहत वैकल्पिक के बारे में भी वार्ता की।

संस्थान से सितारा बानो, गिर्राज, ठाकुर सिंह, भंवर सिंह, राम निवास, श्याम सिंह, जगमोहन, पातीराम, समय सिंह, केशव, पप्पू, रामकेश, भंवरलाल, अजयराज आदि उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर करौली 09-12-2024

डांग क्षेत्र की समस्याओं को लेकर विधायक हंसराज को सौंपा ज्ञापन

भास्कर न्यूज | नारौलीडांग

ग्राम गौरव संस्थान के प्रतिनिधि मण्डल ने संस्था की प्रतिनिधि सितारा बानो के नेतृत्व में क्षेत्रीय विधायक हंसराज बालोती से मुलाकात कर डांग क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं चिकित्सा, बिजली, पानी, सड़क आदि की समस्याओं का निराकरण करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

संस्था प्रतिनिधि सितारा बानो ने बताया कि ग्राम गौरव संस्था द्वारा डांग क्षेत्र में किये जा रहे पानी की उपलब्धता के प्रयास के तहत कार्यकर्ताओं और निभेरा गांव के ग्रामीणों के साथ विधायक हंसराज बालोती से मुलाकात कर मनरेगा के तहत बांध बनवाने,जल जीवन मिशन के तहत संपूर्ण पंचायत में पानी उपलब्धता सुनिश्चित करने सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के बारे में भी विस्तार से वार्ता की गई। इस दौरान सितारा बानो, समय सिंह, गिर्राज, भंवर सिंह, रामसिंह, केशोराय आदि उपस्थित रहे।

- संस्थान अपने कार्य क्षेत्र के गांवो मे उपर लिखित सौपानो को लेकर ग्रामीणो के साथ संवाद कायम करती है,एंव ग्रामीण समूदाय उपरोक्त सौपानो के प्रति सजग होकर इनका संरक्षण व संर्वधन करते हुए अपने जीवन मे उपयोग ले इसके लिए संस्थान ने 12 ग्राम पंचायतो के 117 गांव ढाणीयो मे संवाद किया परिणाम स्वरूप संस्थान की प्रेरणा से 625 महिलाऐ अपने घरेलू उपयोग हेतू किचन गार्डन (पोषण वाटिका) लगाकर घरेलू रसोई वास्ते सब्जी लगाने का निर्णय लिया एंव गांव की वर्षाजल संचय संरचनाओ के आगोर क्षेत्र मे पौधे लगाने का निर्णय भी लिया गया है व देव वनीयो के माध्यम से वन पनपाने का संचार गांवो मे हुआ है ।

- ग्राम गौरव संस्थान अपने कार्य क्षेत्र मे ग्रामीणो को सरकार व समूदाय की भागीदारी से वर्ष भर शुद्ध पेयजल की आपूर्ती हेतू जल जीवन मिशन के प्रति समूदाय को जागृत करने व जल,जंगल, जमीन,जलवायू,जीवजन्तू, जानवर, जीवनशैली जैविक विविधता को लेकर संवाद कायम करते हुए पदयात्रा की गई। पदयात्रा की शुरूआत दौलतपुरा ग्राम पंचायत के पार्वती स्थान से की गई पदयात्रा मे एक गांव के लोग दुसरे गांव तक व दुसरे गांव के लोग तीसरे गांव तक इस कमः मे पदयात्रा दौलतपुरा से चलकर चन्देलीपुरा ग्राम पंचायत बाबू महाराज के स्थान पर किया गया ।

क,स	ग्राम पंचायत पदयात्रा पहूँची	कुल गांव	पदयात्रा से लोग जुडे
1	8	117	1662

- जन जागृति :– संस्थान द्धारा कार्य क्षेत्र के गांव ढाणीयो मे प्राकृतिक सम्पदा,जैविक विविधता के संरक्षण व संर्वधन के प्रति ग्रामीण समुदाय की श्रद्धा कायम करने हेतू व सरकार की जन विकास योजनाओ जैसे जल जीवन मिशन की सफल व सतत कियान्विति हेतू दीवार लेखन कार्य किया गया जो निम्नवत रहे चेतनात्मक किये गये इस कार्य मे मूल उदद्धेश्यो को दर्शाते हुए 12 ग्राम पंचायत मुख्यालयो सहित चौक चोराहो पर 96 जगहो मे दिवार लेखन का कार्य किया ।

क,स	कुल ग्राम पंचायत	कुल दीवार लेखन
1	12	96

खुशहाली की एक ही चाबी,
जल की न हो कहीं बर्बादी।
ग्राम गौरव संस्थान सौजन्य से : अजीम प्रेमजी परोपकारी पहल
पेन्टर जगदीप
9929911828
M. 9983605073

ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति
क्षमतावर्धन शिविर

ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति
क्षमतावर्धन शिविर
Latitude: 26.41237
Longitude: 77.1256
Elevation: 287.15±130 m
Accuracy: 7.3 m
Time: 12-27-2024 12:34
Note: जेरदा का मेला लांगरा
Powered by NoteCam

GGS
जन चेतना पदयात्रा
ग्राम पंचायत दौलतपुरा पार्वती के स्थान
से चन्देलीपुरा नवलपुरा बाबू महाराज की देवबनी तक
दिनांक : 22.08.2024 से 29.08.2024
कार्यकारी संस्थान - ग्राम गौरव संस्थान, बिरहेटी सुकापुरा करौली (राज.)
सहयोग - अजीम प्रेमजी परोपकारी पहल
OPPO F17
Sitara

सफलता की पहली सीढी कर्म है।
प्रधानाध्यापक कक्ष
करौली

ग्राम गौरव संस्थान
ग्राम गौरव मित्र क्षमतावर्धन शिविर

- जल जीवन मिशन के तहत बोरिंग करती मशीन बधंनकापुरा

उपरोक्त सफल कार्यो मे सहयोग के लिए ग्राम गौरव संस्थान सहयोगी दानदात्री संस्थाओ मे धर्मपाल सत्यपाल लिमिटेड, राजीव गांधी फाउन्डेशन,और अजीम प्रेम जी फाउन्डेशन एंव किस्टल कोप प्रोटेक्शन लिमिटेड को धन्यवाद देता है , जो सराहनीय सहयोग कर रहे है।